Bihar Board Class 7 Social Science Important Questions History Chapter 6 शहर, व्यापारी एवं कारीगर

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
राजराजेश्वर मंदिर का वास्तुकार कौन था?
उत्तर:
राजराजेश्वर मंदिर का वास्तुकार कुंजरमल्लन राजराज पेरुथच्चन था।

प्रश्न 2.
चोल राजाओं की राजधानी का नाम लिखिये।
उत्तर:
तंजावूर।

प्रश्न 3.
मंदिर नगर के दो उदाहरण दीजिए।
उत्तर:

- तंजावूर
- तिरुपति।

प्रश्न 4.
ऐसे दो नगरों के नाम लिखिये जो तीर्थस्थलों से विकसित हुए।
उत्तर:

- वृंदावन (उत्तरप्रदेश)
- तिरुवन्नमलाई (तमिलनाडु)।

प्रश्न 5.
मध्यकाल में व्यापारी काफिले बनाकर एक साथ यात्रा क्यों करते थे?
उत्तर:
उस समय व्यापारियों को अनेक राज्यों एवं जंगलों से होकर गुजरना पड़ता था। इसलिए वे काफिले बनाकर एक साथ यात्रा करते थे।

प्रश्न 6.
गिल्ड क्या थे?
उत्तर:

evidyarthi

व्यापारियों द्वारा अपने हितों की सुरक्षा के लिए बनाए गए व्यापार संघों को गिल्ड कहा जाता था।

प्रश्न 7.
18वीं सदी के दो प्रमुख व्यापार संघ कौनसे थे?
उत्तर:

- मणिग्रामम्
- नानादेशी।

प्रश्न 8.
रेशम मार्ग से जुड़े दो नगरों के नाम लिखिये।
उत्तर:

- काबुल
- कांधार।

प्रश्न 9.
बीदर के शिल्पकार किसके लिए प्रसिद्ध थे?
उत्तर:
बीदर के शिल्पकार ताँबे तथा चाँदी में जड़ाई के काम के लिए प्रसिद्ध थे।

प्रश्न 10.
पश्चिमी बंगाल का कौनसा शहर रेशमी वस्त्रों के प्रमुख केन्द्र के रूप में उभरा और 1704 में बंगाल की राजधानी बन गया?
उत्तर:
मुर्शिदाबाद शहर।

प्रश्न 11.
तंजावूर नगर किस नदी के तट पर स्थित है?
उत्तर:
तंजावूर नगर कावेरी नदी के तट पर स्थित है।

प्रश्न 12.
हम्पी नगर कहाँ स्थित है?
उत्तर:
हम्पी नगर कृष्णा और तुंगभद्रा नदियों की घाटी में| स्थित है।

प्रश्न 13.
हम्पी नगर का विनाश कब और कैसे हआ?
उत्तर:
1565 ई. में दक्कनी सुलतानों के हाथों विजयनगर की पराजय के बाद हम्पी का विनाश हो गया।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 14.
वाणिज्य केन्द्र से क्या आशय है?
उत्तर:
वाणिज्य केन्द्र से आशय एक ऐसे स्थान से हैं जहाँ विभिन्न उत्पादन केन्द्रों से आने वाला माल खरीदा तथा बेचा जाता है।

प्रश्न 15.
हुंडी क्या है?
उत्तर:
हुंडी एक ऐसा दस्तावेज है जिसमें एक व्यक्ति द्वारा जमा कराई गई रकम दर्ज रहती है। कहीं अन्यत्र इसे प्रस्तुत करके इस रकम को प्राप्त किया जा सकता है।

प्रश्न 16.
सूरत को मक्का का प्रस्थान द्वार क्यों कहा जाता था?
उत्तर:
सूरत को मक्का का प्रस्थान द्वार कहा जाता था क्योंकि बहुत से हजयात्री, जहाज से यहीं से रवाना होते थे।

प्रश्न 17.
मसूलीपट्टनम नगर कहाँ पर स्थित है?
उत्तर:
मसूलीपट्टनम नगर कृष्णा नदी के डेल्टा पर स्थित है।

प्रश्न 18.
काबुल से कौन-कौन सी वस्तुएँ भारत लाई जाती थीं?
उत्तर:

- मेवे
- खजूर
- गलीचे
- रेशमी कपड़े तथा
- ताजे फल।

प्रश्न 19.
किस नगर को पश्चिम का प्रवेश द्वार कहा जाता था?
उत्तर:
सूरत (गुजरात) को।

प्रश्न 20.
अंग्रेजों ने मुंबई में अपना मुख्यालय कब स्थापित किया?
उत्तर:
1668 ई. में।

लघूत्तरात्मक प्रश्न-

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 1.
तंजावूर नगर किस हलचल से भरा हुआ था?
उत्तर:
तंजावूर नगर उन बाजारों की हलचल से भरा हुआ था जहाँ अनाज, मसालों, कपड़ों और आभूषणों की बिक्री हों रही थी। उसके सालीय बुनकर मंदिर के उत्सव के लिए झंडे-झंडियाँ बनाने का कपड़ा, राजा और अभिजातवर्ग के लिए बढ़िया सूती वस्त्र और जनसाधारण के लिए सूती वस्त्र तैयार कर रहे थे। यहाँ से कुछ दूरी पर स्वामीमलाई में स्थापित मूर्तिकार उत्तम कांस्य मूर्तियाँ तथा लंबे, सुंदर घंटा धातु के दीप बना रहे हैं।

प्रश्न 2.
'कांसा' तथा 'घंटा धातु' क्या है?
उत्तर:

- कांसा-कांसा एक मिश्रधातु होती है, जो तांबे और रांगे (टिन) के मेल से बनती है।
- घंटा धातु-घंटा धातु में रांगे का अनुपात किसी भी अन्य कांसे से अधिक होता है। यह घंटे जैसी ध्वनि उत्पन्न करती है।

प्रश्न 3.
'लुप्तमोम तकनीक' क्या थी?
उत्तर:
लुप्तमोम तकनीक-इस तकनीक के अन्तर्गत सर्वप्रथम मोम की एक प्रतिमा बनाई जाती थी। इसे चिकनी मिट्टी से पूरी तरह लीपकर सूखने के लिए छोड़ दिया जाता था। सूखने पर उसे गर्म किया जाता था और उसके मिट्टी के आवरण में एक छोटा सा छेद बना कर उस छेद के रास्ते सारा पिघला हुआ मोम बाहर निकाल लिया जाता था। फिर चिकनी मिट्टी के खाली साँचे में उसी छेद के रास्ते पिघली हुई धातु भर दी जाती थी। जब वह धातु ठंडी होकर ठोस हो जाती थी, तो चिकनी मिट्टी के आवरण को सावधानीपूर्वक हटा दिया जाता था और उसमें से निकली प्रतिमा को साफ करके चमका दिया जाता था।

प्रश्न 4.
मध्यकाल के नगरों के प्रमुख प्रकार लिखिए।
उत्तर:
मध्यकाल के नगरों के प्रमुख प्रकार ये थे-

- मंदिर नगर
- प्रशासनिक नगर
- वाणिज्यिक नगर
- पत्तन नगर
- मिश्रित नगर।

प्रश्न 5.
तीर्थस्थल भी धीरे-धीरे नगरों के रूप में विकसित हो गए। अजमेर नगर के उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
तीर्थस्थल भी धीरे-धीरे नगरों के रूप में विकसित हो गए। उदाहरण के लिए अजमेर (राजस्थान) 12वीं सदी में चौहान राजाओं की राजधानी था और आगे चलकर मुगलों के शासन में वह सूबा मुख्यालय बन गया।

सुप्रसिद्ध सूफी संत ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती यहाँ 12वीं सदी में बस गए थे ओर उनके दर्शनार्थी एवं श्रद्धालु सभी पंथों-मतों से हुआ करते थे। अजमेर के पास ही पुष्कर सरोवर है, जहाँ प्राचीनकाल से ही तीर्थयात्री आते रहे हैं। आज अजमेर नगर धार्मिक सहअस्तित्व का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

प्रश्न 6.
भारत के प्रमुख व्यापारी समुदायों के नाम लिखिए। यह क्या कार्य करते थे?
उत्तर:
भारत के प्रमुख व्यापारी समुदाय-

- चेट्टियार
- मारवाड़ी ओसवाल
- हिन्दू बनिया
- मुस्लिम बोहरा।

व्यापारी समुदायों के कार्य-

- वे दूर-दूर तक लाल सागर के बंदरगाहों व फारस की खाड़ी, पूर्वी अफ्रीका, दक्षिणपूर्व एशिया तथा चीन से व्यापार करते थे।
- वे इन पत्तनों में कपड़े और मसाले बेचते थे और बदले में अफ्रीका से सोना और हाथीदांत एवं दक्षिण-पूर्व एशिया और चीन से मसाले, टिन, मिट्टी के नीले बर्तन और चाँदी लाते थे।

प्रश्न 7.
इतिहास में काबुल का क्या महत्त्व था?
अथवा
मध्यकाल में काबुल में किन वस्तुओं का व्यापार होता था?
उत्तर:
काबुल मध्यकाल में राजनीतिक और वाणिज्यिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण बन गया था क्योंकि-

- काबुल और कंधार सुप्रसिद्ध रेशम मार्ग से जुड़े हुए थे।
- घोड़ों का व्यापार भी मुख्य रूप से इसी मार्ग से होता था।
- काबुल से मेवे, खजूर, गलीचे, रेश्मी कपड़े और ताजे फल ऊँटों पर लाद कर लाए जाते थे और भारत तथा अन्य भागों में बेचे जाते थे।
- यहाँ गुलाम भी बिक्री के लिए लाये जाते थे।

प्रश्न 8.
राजस्थान से प्राप्त अभिलेख में करों का वर्णन किस प्रकार किया गया है?
उत्तर:
राजस्थान से प्राप्त दसवीं शताब्दी के अभिलेख में करों का वर्णन इस प्रकार किया है-

- शक्कर और गुड़, रंग, धागा, रुई, नारियल, नमक, सुपारी, मक्खन, तिल के तेल पर और कपड़े पर कर लगाए जाते थे।
- इसके अलावा, व्यापारियों पर, धातु की चीजें बेचने वालों, आसवकों, तेल, पशुचारे और अनाज के बोरों पर भी कर लगाए जाते थे।

https://www.evidyarthi.in/

इनमें से कुछ कर तो वस्तु रूप में और कुछ कर नकद रूप में वसूले जाते थे।

प्रश्न 9.
सूरत के पतन के कारण बताइए।
उत्तर:
17वीं शताब्दी के अन्त में निम्नलिखित कारणों से सूरत का पतन प्रारंभ हो गया-

- मुगल साम्राज्य के पतन के साथ ही सूरत का बाजार और उत्पादकता दोनों में कमी आ गई।
- पुर्तगालियों ने समुद्री मार्ग पर नियंत्रण कर लिया था।
- 1668 ई. में ब्रिटिश ईस्ट इण्डिया कम्पनी ने अपना मुख्यालय मुंबई स्थानान्तरित कर दिया था।
- मुंबई से प्रतियोगिता प्रारंभ हो गई थी।

प्रश्न 10.
विलियम मेथवल्ड ने मसूलीपट्टनम का वर्णन किन शब्दों में किया था?
उत्तर:
विलियम मेथल्ड ने मसूलीपट्टनम का वर्णन इन शब्दों में किया था, "यह गोलकुण्डा का मुख्य पत्तन है, जहाँ परमपूज्य ईस्ट इण्डिया कंपनी अपना एजेण्ट रखती है। यह एक छोटा नगर है, पर घना बसा हुआ है, बिना किसी चारदीवारी के, और खराब तरीके से बना हुआ। न ही यह अच्छी जगह स्थित है। इसके सभी जल स्रोत खारे पानी के हैं। पहले यह एक गरीब मछुआरा नगर था......आगे चलकर यहाँ जहाजों के लिए लंगर डालने की सुविधा हो गई, जिससे व्यापारी लोग यहाँ रहने लगे और चूंकि हमारे और हॉलैण्ड के निवासी यहाँ इस तट पर आते-जाते हैं, यह उनके लिए निवास की व्यवस्था करता है।"

evidyarthi